

# परमेश्वर रौद्र दास मुसा





परमेश्वर रौ दास मुसा

Bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



Needs Copyright



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language  
Orange Level Book

प्रकाशण:-

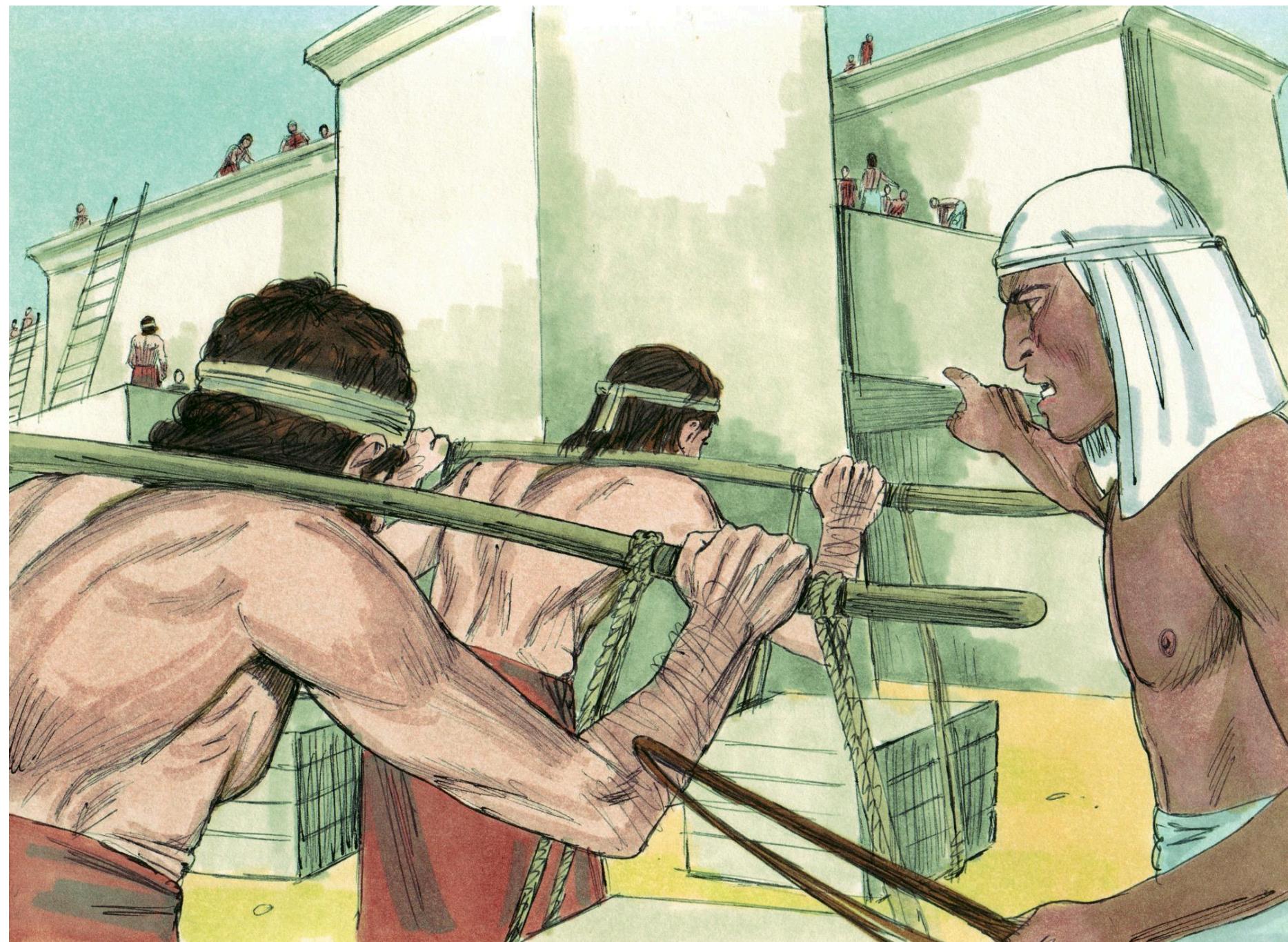
NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर का दास मूसा के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



ਏ ਸੇਜ਼ੈ ਕੌਕੇ ਰਿ ਕੁਝੈ ਜੇਤ੍ਰਾ ਧਾਕੂਬ ਰੈ ਪੁਰੈ ਪੈਰਿਬਾਰ  
ਮਿਸ਼ ਦੇਸ਼ ਦਿ ਆਇਧੈ ਰੈਨਦੈ ਲਾਗੈ। ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਵ ਤਿੱਤਕੈ  
ਆਸ਼ਿਸ਼ ਦੇਣੀ ਆਂਜ਼ਿ ਤਿੱਤੀ ਕੌਰੀ ਸਂਤਾਨ ਪੈਦਾ ਊਝ,  
ਤਿੱਤ ਖਿ ਇਸ਼ਾਇਲੀ ਬੋਲੈ, ਤਿੱਤ ਲੋਗੁ ਰਿ ਗਿਨਤੀ  
ਦੇਖਿਯੈ ਮਿਸ਼ੀ ਲੋਗ ਕੌਰੀ ਡੌਰਦੈ ਲਾਗੈ। ਏਝੀ ਕੌਜ਼ੈ  
ਕੌਝ ਮਿਸ਼ ਰੈ ਰਾਜ਼ਾਇ ਸੈ ਗੁਲਾਮ ਚਾਣੈ।



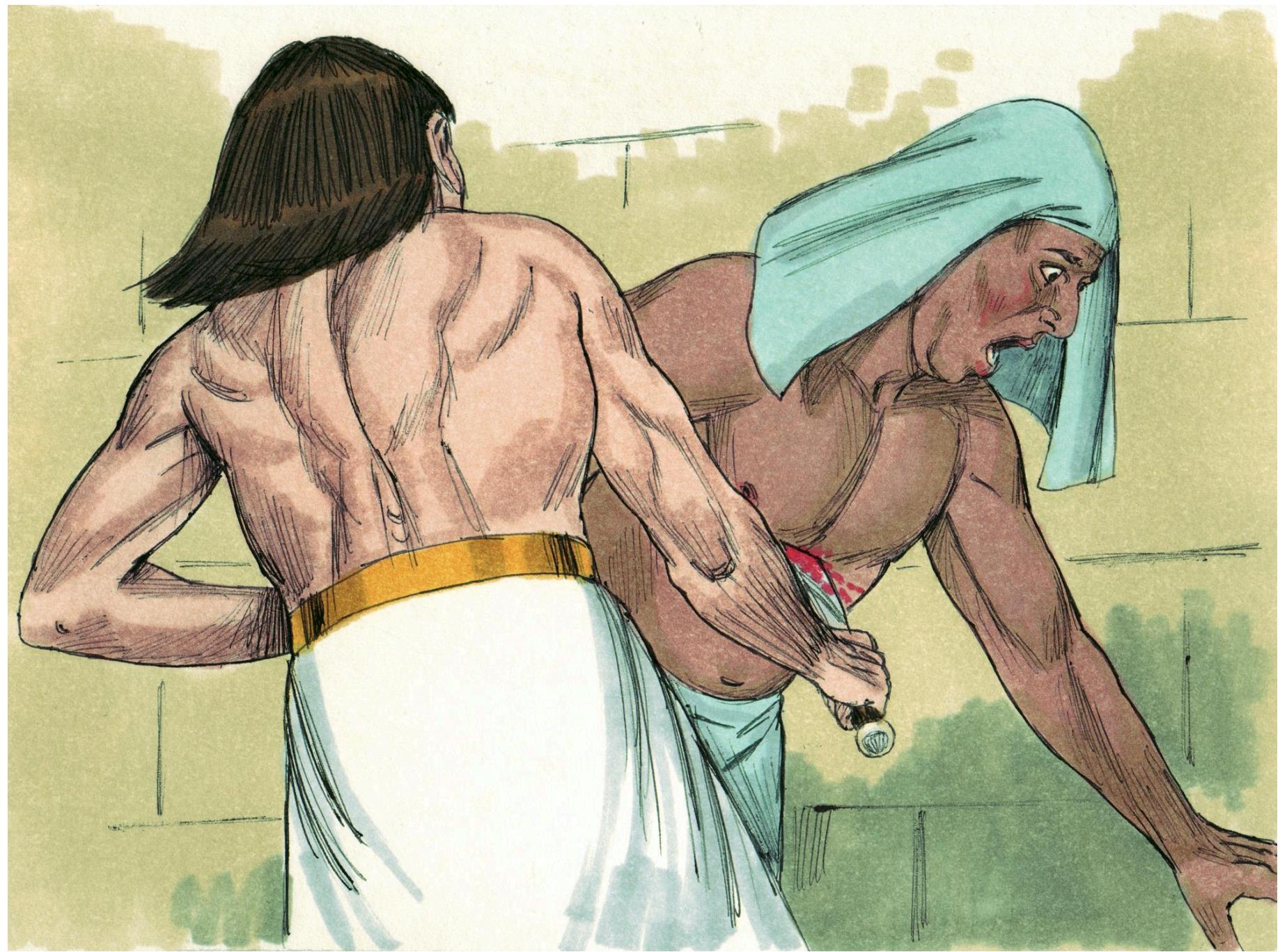
फिरोन राजा इस्लाइली लोगु कौइ बौरी काम कौरा  
थौ। औज़ि तिउँकौइ बौड़ी बौड़ी कोठियै बि  
चौणाइ, इस्लाइली लोगु रि बौड़दि संतानु देखियौ  
राजाइ आदेश देणौ। इस्लाएइलिउँ रै जेती बि  
माऊँ तिउँ नील नौइ दि पाइ दैओ। औज़ि माइउँ  
जिउँदिया थौइयौ।



सेज़ै बौक्ते दि एक इस्त्राइली छेउड़ि रौ एक माऊँ  
उवौ सेउ माऊँ फिरोन राजा रै डौरे रि बौज़ै कौइ  
तेसरै आमा पापाइ चोरी थौ। ज़ौ सै आपड़ौ माऊँइ  
ज़ादा दूस ज़ौउँ चोरी ना सौकै, तै तिउँ आपड़ौ माऊँ  
एक टोकरी दि थौइयौ नील नौइ दि बौआओ।



ਏਥੌ ਕੌਰਦੁ ਕੈਰੈ ਮਾਊਂ ਰਿ ਬੌਇਣ ਤੇਸ ਦੇਖਦਿ ਰੈਡ ਥੀ  
ਲਾਗੀ । ਸੇਜ਼ੈ ਬੈਕਟੇ ਦਿ ਫਿਰੋਨ ਰਿ ਬੇਟੀ ਤੇਟਕੇ ਨਾਇੰਦਿ  
ਆਇ । ਤਿੰਧੈ ਨੌਇ ਦਿ ਸੈ ਟੋਕਰੀ ਦੇਖੀ । ਤਿਨਦੈ ਤਿੰਧੈ ਏਕ  
ਸੁਨਦਰ ਮਾਊਂ ਦੇਖੌ । ਤਿੰਧੈ ਸੇਤ ਮਾਊਂ ਆਪਡੌ ਮਾਊਂ  
ਚਾਣੌ । ਤਿੰਧੈ ਏਕ ਇਸ਼ਾਇਲੀ ਛੇਤੜ੍ਹ ਜੁਣਜ਼ੀ ਤੇਸੀ ਰਿ  
ਆਮਾ ਥੀ । ਸੈ ਤੇਸ ਮਾਊਂ ਕੌਇ ਦੂਦ ਪਿਧਾਣੇਖਿ  
ਆਪਕਾਇ ਥੌਇ ।



तैबै फिरोन रि बेटियेइ तेसरौ नौऊँ मुसा थौ। ज़ौ मुसा जुवान उवौ तै मुसाइ देखौ। एक मिस्री माणूछ इस्लाइली माणछेइ रौ थौ पिटदै लागी। तैबै मुसाइ ओरु पोरु देखियौ सेउ मिस्री माणूछ ज़ाँगी देणौ। औज़ि ज़ाँगियौ दाबी देणौ। पर सेउ एज़ौ काम कौरदु बैरै कासिउँ देखी गो थौ।

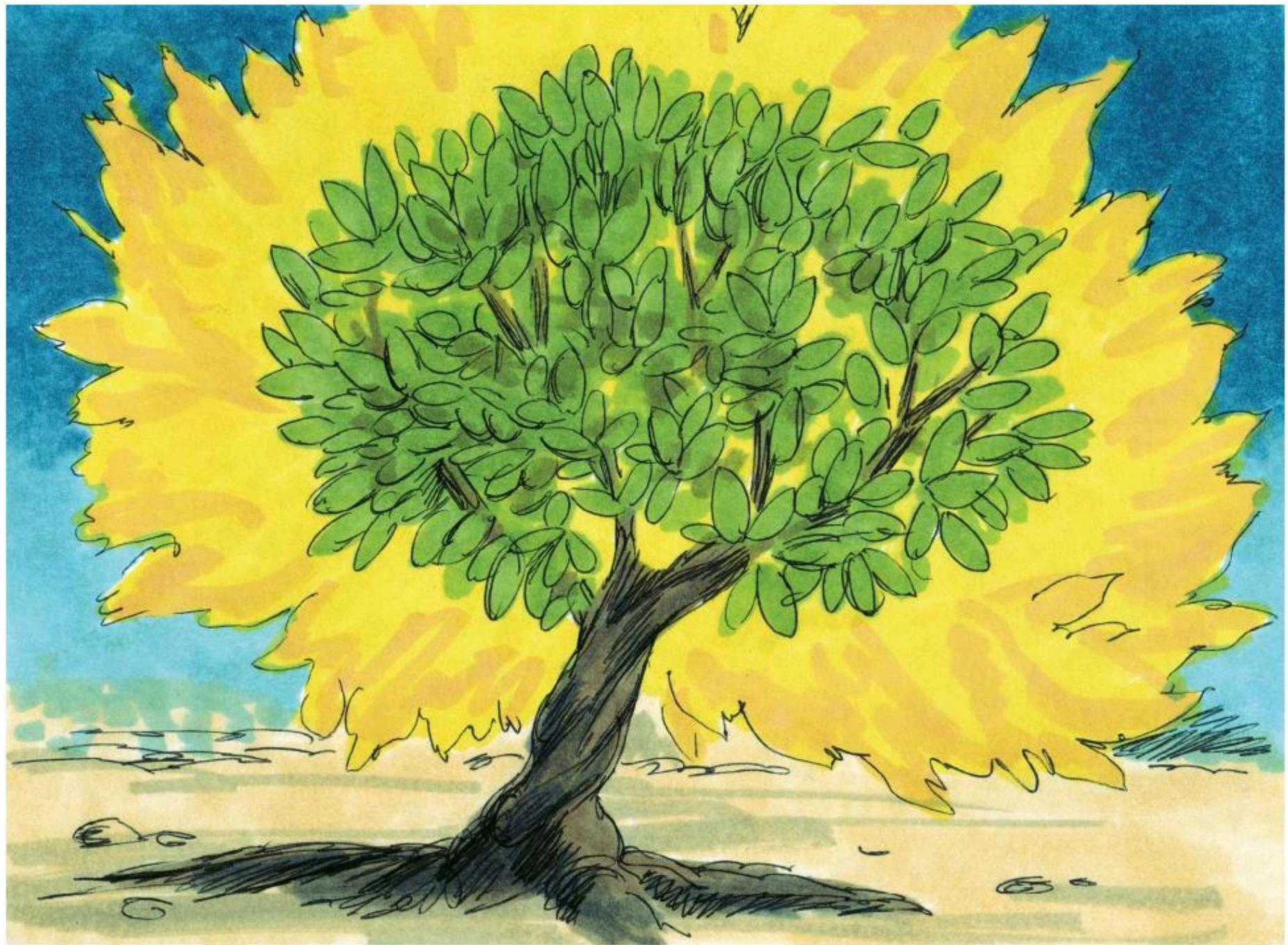


ज़ौ फिरोन राज़ाइ ऐ बुशै शुणी, तै तिणी मुसा ज़ाँगणे  
रि कोशिश की, तैबै मुसा मिस्र देश कौइ दूजौ देश  
खि डैओ। मुसाइ सेज़ौ देश दि एक लौड़की देखि  
आज़ि तीं कौइ तिणी शादी की, तै मुसा आपड़े  
शेऊरै रै गौरे दि रौन्दै लागौ। आज़ि तेसरी बेड़े  
बाकरिऊँ चौरान्दै लागौ।



एक दूस मुसा बेड बाकरिऊँ डान्डै रै नौज़ीक रौ थौ  
चौरान्दै लागी। तैबै मुसाइ देखौ कि ज़ाड़ी दि आग  
तै ज़ौळियौन्दि पर ज़ाड़ी खतम ना रौइ उन्दी लागी।

तैबै मुसा सेज़ी ज़ागा देखदै डैओ। कि सै ज़ाड़ी  
केलाइ ना राइ ज़ौळदि लागी। तैबै परमेश्वरेइ  
औटाइयौ बोलौ ए मुसा आपड़े बाँगणौउँ कौइ जुता  
पोरु गाड़ ज़ेत्के तू खौड़ौ सै पवित्र ज़ागा।



तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ, आउँ तेरौ पापा रौ  
परमेश्वर, मुझं आपडी पौरजा इस्लाइल रौ दुख देखौ।  
एज्जी बौजै कौइ आउँ ताउँ फिरोन राजा काइ छाडू

कि तू मेरी इस्लाइली पौरजाइ मिस्र कौइ गाड़।

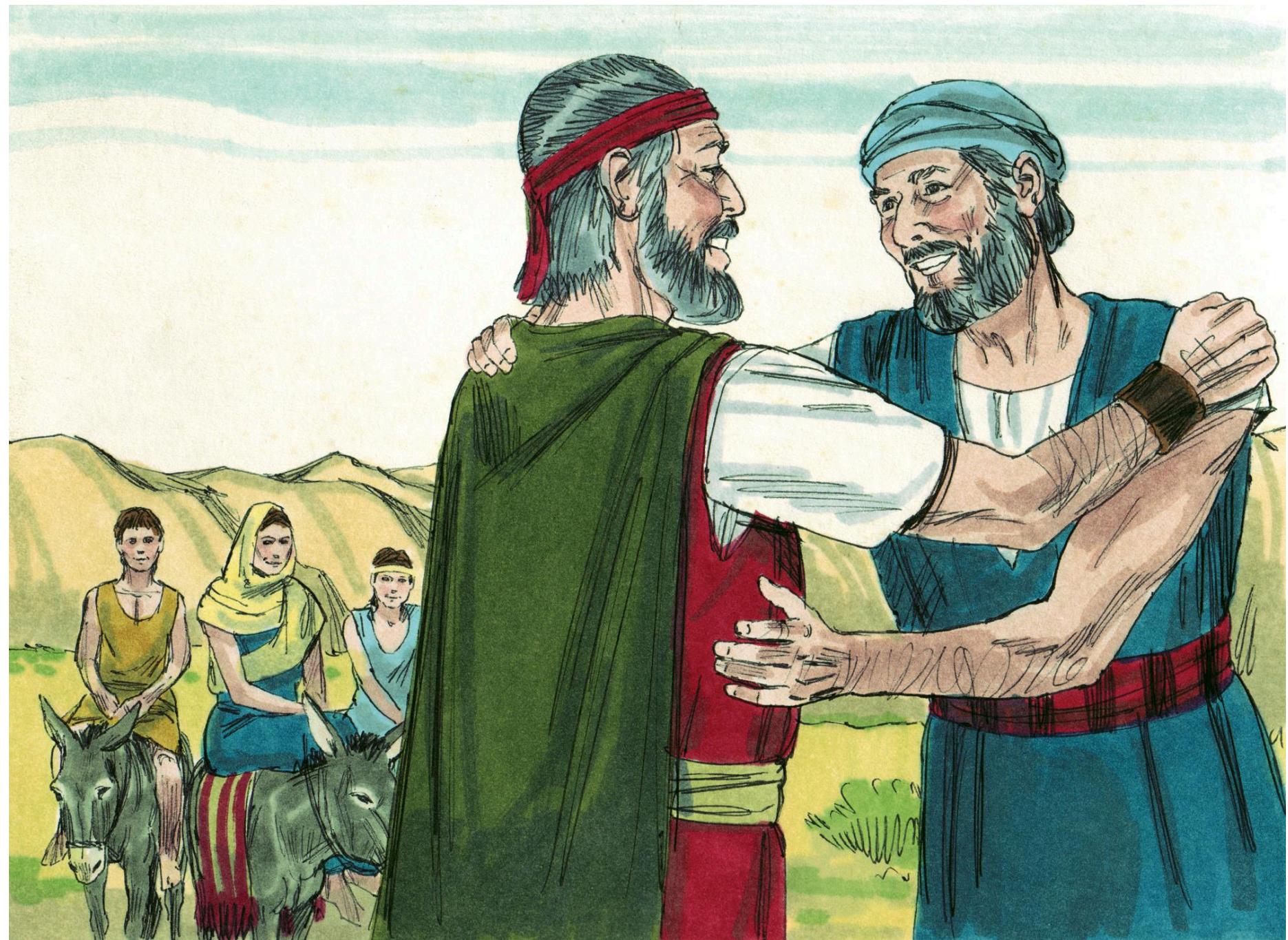
आउँ तिउँ कनान देश दि छाडू। जेतकै दूद औज़ि  
मौ रि दारै बौयै। जुण्जौ वादौ मुझं तेरै बुजूर्गु रै साथै  
कियौ थौ



तैबै मुसाइ परमेश्वर आरि बोलौ ज़ौ सै लोग मुकौइ  
पुछै लै, कि तू कुणी छाडौ। तै आउँ तिउँ आरि का  
बोलु, तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ “आउँ जुणजौ  
आैस्ति सेउ आैस्ति” तू तिउँ आरि बोलै कि जेसरौ  
नौऊँ “आउँ जुणजौ आैस्ति सेउ आैस्ति” तिणी आउँ  
छाडौन्दौ, तैबै मुसाइ बोलौ, कि सै लोग मेरौ  
बिश्वाश ना कौरै लै ना मेरी शुणै लै।



तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ, एऊ तेरै आथे दि  
कासै, मुसाइ बोलौ, डिंगौ तैबै परमेश्वरेइ बोलौ, कि  
एस दौनी माटै माइं थौऊ। तैबै मुसाइ डिंगौ दौनी  
माटै माइ थौ। तैबै माटै माइं थौन्दुइ डिंगौ साप  
बौणौ। तैबै परमेश्वरेइ बोलौ, आउं तेरै बुजूर्गु रौ  
परमेश्वर, मुइं ताउंकै दर्शन देणौ। एजी बुशै तिउं  
आरि बोली दै, तै सै ताउंदि बिश्वाश कौरै लै।



ਤੈਬੈ ਮੁਸਾਇ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰ ਆਰਿ ਬੋਲਾਂ, ਆਤੁੰ ਬੋਲਣਾ ਨਾ  
ਜਾਨਦਾਂ। ਤੈਬੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਇ ਮੁਸਾ ਆਰਿ ਬੋਲਾਂ, ਤੇਰਾਂ ਬਾਇ  
ਬੋਲਣੇ ਦੀ ਬੌਡਿਧਿਆ। ਆਤੁੰ ਤੇਰੀ ਮਦਦ ਖੀ ਹਾਰੁਨੇਇ ਤੇਰੈ  
ਸਾਥੈ ਛਾਡੂ, ਜੈ ਕੁਛ ਤੁਮੁ ਕੌਰਣਾਂ ਆਲਾਂ। ਆਤੁੰ  
ਤੁਮਕੌਇ ਸ਼ਿਕਾਨਦੁ ਰੈਊ। ਤੇਤਬਾਸਿਧੈ ਮੁਸਾ ਆਪੜੇ  
ਸ਼ੇਊਰੈ ਕੌਇ ਮਿਲਿਧੈ ਮਿਸ਼ਨ ਖਿ ਡੈਓ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.